नीति आयोग ने पूर्वोत्तर क्षेत्र जिला सतत विकास लक्ष्य सूचकांक (2023-24) का दूसरा संस्करण जारी किया:

- किसके द्वारा विकसित: इस सूचकांक को नीति आयोग और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (एमओडीओएनईआर) द्वारा यूएनडीपी के तकनीकी सहयोग से विकसित किया गया है।
- 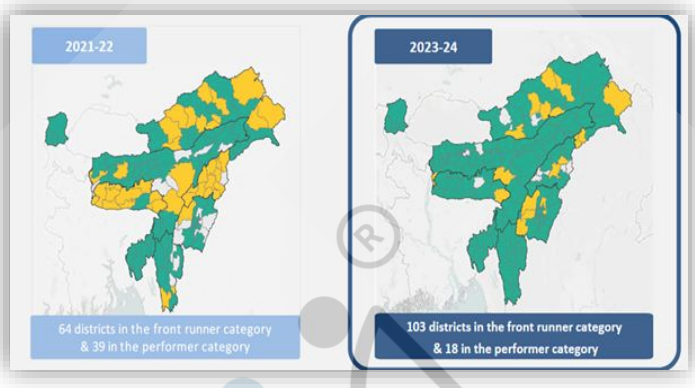

- नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री सुमन बेरी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत जैसे-जैसे विकसित भारत @2047 के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, 2030 तक सतत विकास लक्ष्य जैसे मध्यवर्ती उपलब्धियों की हासिल करना महत्वपूर्ण माना जा रहा है।
- नीति आयोग के सीईओ श्री बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम ने माननीय प्रधानमंत्री द्वारा इस क्षेत्र को आठ राज्यों की 'अष्ट लक्ष्मी' कहे जाने का उदाहरण दिया और उनके विकास एवं प्रगति के महत्व पर प्रकाश डाला।

परिणाम और निष्कर्ष

- कुल 121 जिलों के समग्र स्कोर अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग में 58.71 (सबसे कम) से लेकर मिजोरम के हनाहथियाल में 81.43 (सबसे अधिक) तक हैं।

इन जिलों को चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है:

- i) अचीवर: स्कोर 100 के बराबर (चिन्हित संकेतकों के लिए निर्धारित लक्ष्यों को हासिल किया)
- ii)फ्रंट रनर: 65 और 99 के बीच स्कोर (100 को छोड़कर)
- iii) परफॉर्मर: 50 और 65 के बीच स्कोर (65 को छोड़कर) और
- iv) आकांक्षी: 50 से कम स्कोर

उपर्युक्त से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

- 85 प्रतिशत जिलों के समग्र स्कोर में वृद्धि दर्ज की गई
- सिक्किम और त्रिपुरा के साथ मिजोरम के सभी जिलों ने फ्रंट रनर का दर्जा हासिल कर लिया है
- मिजोरम का हनाहथियाल पूर्वोत्तर क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला जिला बना
- सिक्किम ने सभी जिलों में सबसे अधिक सुसंगत प्रदर्शन किया
- असम के सभी जिलों में भूखमरी से मुक्ति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वच्छ जल एवं स्वच्छता तथा अच्छे कार्य और आर्थिक विकास के संकेतकों में बेहतरी हुई

नीति आयोग द्वारा जारी अन्य सूचकांक

- • समग्र जल प्रबंधन सूचकांक
- • जिला अस्पताल सूचकांक
- • निर्यात तैयारी सूचकांक
- • वैश्विक नवाचार सूचकांक
- • भारत नवाचार सूचकांक
- • बहुआयामी गरीबी सूचकांक
- • स्कूल शिक्षा गुणवत्ता सूचकांक
- • एसडीजी इंडिया इंडेक्स
- राज्य ऊर्जा सूचकांक
- राज्य स्वास्थ्य सूचकांक